This question paper contains **4** printed pages]

**Roll No.** | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6363**

Unique Paper Code : **213206** **E**

Name of the Paper : **Paper VI (Self Management in the Gita)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

**Note :** Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी :** अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

**सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 5×7=35

Explain the following :

(क) इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते।

तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि॥

P.T.O.

**अथवा**

*(Or)*

क्रोधाद् भवति सम्मोहः सम्मोहात् स्मृतिविभ्रमः।

स्मृतिभ्रंशाद् बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात् प्रणश्यति॥

(ख) अनादित्वान्निर्गुणत्वात् परमात्मायमव्ययः।

शरीरस्थोऽपि कौन्तेय न करोति न लिप्यते॥

**अथवा**

*(Or)*

यं यं वापि स्मरन् भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम्।

तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद्भावभावितः॥

(ग) प्रसादे सर्वदुःखानां हानिरस्योपजायते।

प्रसन्नचेतसो ह्याशु बुद्धिः पर्यवतिष्ठते॥

**अथवा**

*(Or)*

चञ्चलं हि मनः कृष्ण! प्रमाथि बलवद् दृढम्।

तस्याहं निग्रहं मन्ये वायोरिव सुदुष्करम्॥

(घ) धूमेनाव्रियते वह्निर्यथादर्शो मलेन च।

यथोल्बेनावृतो गर्भस्तथा तेनेदमावृतम्॥

**अथवा**

*(Or)*

अहिंसा समता तुष्टिस्तपो दानं यशोऽयशः।

भवन्ति भावा भूतानां मत्त एव पृथग्विधाः॥

(ङ) यदा ते मोहकलिलं बुद्धिर्व्यतितरिष्यति।

तदा गन्तासि निर्वेदं श्रोतव्यस्य श्रुतस्य च॥

**अथवा**

*(Or)*

यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः।

भुञ्जते ते त्वधं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात्॥

2. आत्मप्रबंधन क्या है ? गीता के अनुसार आत्मप्रबंधन का विवेचन कीजिए। 11

What is Self-management ? Discuss the concept of Self-management according to the Gita.

**अथवा**

*(Or)*

गीता के अनुसार आत्मप्रबंधन की प्रक्रिया में मन और इन्द्रियों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

Discuss the role of mind and senses in the process of Self-management according to the Gita.

3. मन की उत्पत्ति एवं स्वरूप की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए। 11

Discuss in detail the origin and nature of mind.

**अथवा**

*(Or)*

परमात्मा के साथ सायुज्य प्राप्त करने के साधनों का वर्णन कीजिए।

Describe the means of attaining unity with God.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिये : 18

Write notes on any *three* of the following :

(*i*) त्रिगुणात्मिका सृष्टि

Creation based on three qualities

(*ii*) आहार-शुद्धि

Purity of food

(*iii*) मानसिक द्वन्द्व

Mental Conflicts

(*iv*) चतुर्विध भक्त

Four kinds of devotees

(*v*) बुद्धि का स्वरूप

Nature of intellect